

भरत-पक्षी वि. (तत्.) एक प्रकार का लंबा पक्षी जो समूह में रहता है, भारद्वाज पक्षी, भरदूल, भरई।

भरत-मिलाप पुं. (तत्.) रामकथा में वर्णित चित्रकूट स्थान पर राम और भरत का मिलाप लाक्ष. 1. बहुत समय से बिछुड़े हुए भाइयों, संबंधियों या मित्रों का परस्पर मिलन 2. भावुकतापूर्ण मिलन 3. अनावश्यक रूप से देर तक गप-शप करना।

भरत-वाक्य पुं. (तत्.) संस्कृत नाटकों के अंत में बोला जाने वाला आशीर्वाद, कल्याण सूचक वाक्य।

भरतर्षभ वि. (तत्.) भरत वंश में उत्पन्न व्यक्तियों में श्रेष्ठ।

भरता पुं. (देश.) बैंगन या आलू को भूनकर और मसलकर बनाई गई सब्जी लाक्ष. किसी वस्तु का मसला हुआ रूप मुहा. भरता बनाना- बहुत मारना-पीटना (भरता बना दिया)।

भरता पुं. (तद्.) भर्ता, पति, स्वामी, भरण पोषण करने वाला, पालनहार, भरतार।

भरतार पुं. (तद्.) पति, स्वामी, पालक, भरण पोषण कर्ता।

भरतिया वि. (देश.) 1. भरत (कांस) का बना हुआ 2. कांसे के बर्तन बनाने वाला, ठठेरा, कसेरा।

भरती/भर्ती स्त्री. (देश.) किसी संस्था, दल आदि में सम्मिलित किये जाने की क्रिया/भाव, प्रवेश/दाखिला।

भरथरी पुं. (तद्.) राजा 'भर्तृहरि' शब्द का परिवर्तित देशज रूप लाक्ष. विद्वान (अपने को भरथरी समझता है)।

भरद्वाज पुं. (तत्.) 1. एक वैदिक ऋषि 2. उनके नाम पर एक गोत्र भारद्वाज 3. भरत, लवा, भरई पक्षी।

भरना स.क्रि. (तद्.) 1. खाली स्थान में कोई वस्तु डालना, रखना, गिराना 2. सेवा में रिक्त पदों पर भर्ती, नियुक्ति 3. पशु, यान आदि पर लादना (गाड़ी में सामान भरना) 4. अधिक मात्रा

में संग्रह करके रख लेना (लाभ से बेचने के लिए) 5. सौचना प्रयो. नहर के पानी से खेत भरना 6. मन में किसी के अनुकूल या विरुद्ध बातें अच्छी तरह से स्थापित करना प्रयो. पति के मन में सास-ससुर के विरुद्धविष भर दिया 7. ऋण चुकाना या दंड की धनराशि का भुगतान करना प्रयो. ऋण भरना, दंड भरना 8. परिणाम या कष्ट भोगना (करे कोई भरे कोई) 9. किसी वस्तु से पूर्ण करना प्रयो. केवल पानी पीकर पेट भर लिया 10. किसी के विरुद्ध शिकायत की बातें करना (कान भरना) अ.क्रि. 1. किसी वस्तु की प्राप्ति, से युक्त होना प्रयो. फलों से पेड़ भर गया, उसका घर खुशाहाली, घन संपत्ति से भर गया, घर बच्चों की किलकारियों से भर गया 2. दुख, क्रोध आदि से भरना (यह सुनते ही वह क्रोध से भर गया) 3. किसी वस्तु से बहुत अधिक युक्त होना प्रयो. पत्र को अनावश्यक बातों से भर दिया, पैर कीचड़ से भर गये 4. घाव भर जाना, गड़ढा भर जाना 5. भरने, परिश्रम के लिए दी जाने वाली धनराशि प्रयो. कब तक उनका भरना भरते रहोगे पुं. (देश.) 6. जुलाहों का एक उपकरण, करघे की ढरनी, भरनी टि. क्रियाओं, संज्ञाओं के साथ मिलकर 'भरना' से अनेक मुहावरे बनते हैं जैसे- दम भरना, कान भरना, घर भरना, दिल भर आना, आंखें भर आना, मन भर जाना आदि।

भरनि वि. (तद्.) 1. भरने वाली, पालन पोषण करने वाली 2. भरने, पूरने की क्रिया (उदर भरनि, सागर में जल भरनि गंगा) 3. धारण करने की क्रिया 4. सजावट या झलक 5. ज्यो. 'भरणी' नक्षत्र स्त्री. 6. मोरनी (रामकथा कलि पन्नग भरनी) 7. सांप काटे का विष उतारने का मंत्र (गारुड़ी मंत्र) 8. पहनावा।

भरनी स्त्री. (तद्.) 1. भरने या भर जाने की क्रिया, भाव, भराव 2. भरी जाने वाली वस्तु 3. कर्म का फल-भोग (जैसी करनी वैसी भरनी) 4. खेतों में बीज बोने की क्रिया 5. खेत की सिंचाई 6. जुलाहों का ताना-बाना बुनने का उपकरण 7.